२५ परसेंट डाइरेक्ट रिक्रूटमेंट काम्पीटीशन से होता है और मैसूर में केवल ३३ परसेंट डाइरेक्ट रिक्रूटमेंट काम्पीटीटिव एक्जामिनेशन से होता है ? क्या गवर्नमेंट को इस सब की जानकारी है ?

श्री आर० एम० हजरनवीस : मेरे पास जो खबर आई है उसके आधार पर हम ने इसका उत्तर दिया है लेकिन इसके बारे में और पूछताछ मैं करूंगा और अगर मेरा उत्तर ठीक नहीं है तो मैं उसे सुधार दूंगा लेकिन मेरा खयाल है कि जहां तक इस मामले का सम्बन्ध है हम लोग प्रादेशिक सरकारों से खबर मंगाते हैं और जो कुछ खबर वे हम को देते हैं वही हम सदन के सामने रखते हैं ।

श्री भगवत नारायण भार्गव : अगर मंत्री महोदय ने इस रिपोर्ट का शेड्यूल ६ देखा होता तो वह इस प्रकार का उत्तर न देते । अब मैं यह जानना चाहता हूं कि (ख) के सम्बन्ध में, जो उत्तर दिया है उसको देखते हुए, इस कमेटी के बनाने में किस मंत्रालय से विचार विमर्श किया जा रहा है और कब तक यह निर्णय सरकार कर लेगी ?

श्री आर० एम० हजरनवीस : यह तो खास कर गृह मंत्रालय विचार कर रहा है लेकिन मैं समझता हूं कि यह प्रश्न जो है वह परी तरह से प्रादेशिक सरकार के अधिकार की बात है उन्हें किस तरह से अपनी नौकरियों में, अपनी सेवाओं में, भर्ती करनी चाहिये । प्रादेशिक सरकार को इस बारे में पूरा अधिकार है और हम लोग उन को सिर्फ सलाह ही दे सकते हैं ।

श्री भगवत नारायण भार्गव : कृष्णमाचारी रिपोर्ट की जो सिफारिशें हैं उनसे क्या गवर्नमेंट सहमत नहीं है ?

श्री आर० एम० हजरनवीस : हम तो इनको अच्छा समझते हैं और इसलिये ही हमने प्रादेशिक सरकारों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है कि इनको खयाल में लायें और जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी उनके ऊपर अमल करें ।

SHRI A. D. MANI: Did the States concerned consult the Union Public Service Commission about the subjects which should be offered by the candidates in the examination? i should like to ask further whether the examinations were conducted in the regional language medium or in the English medium.

SHRI R. M. HAJARNAVTS: This is entirely within the purview of the State Governments and the State PubMc Service Commissions, for wlrch I am not answerable.

SHRI A. D. MANI: I would like to have information.

SHRI R. M. HAJARNAVIS: If the hon. Member writes to me, T would like to answer.

RESEARCH INSTITUTE OF ANCIENT SCIENTIFIC STUDIES

*490. SHRI S. C. DEB: Will the Minister of SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether he recently performed the opening ceremony of the Research Institute of the Ancient Scientific Studies; and

(b) if so, whether he made a suggestion there regarding the development of research work in the Institute and what was that suggestion?

THE MINISTER OF SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS (SHRI HUMAYUN KABIR): (a) Yes, Sir.

(b) I suggested that the Institute should approach its task in a true scientific spirit and with the necessary combination of intellectual audacity and humility, because it is this combination which has yielded the highest dividends in scientific research.

SHRI S. C. DEB: May I know whether in this Institute any religious studies are also undertaken ?

SHRI HUMAYUN KABIR: Sir, they have suggested that they will undertake the study of ancient Indian texts in physics, chemistry, astronomy, meteorology, architecture, psycho.ogy and Ayurvedic disciplines etc.

SHRI S. C. DEB: About the Ayurvedic system, what are the particular subjects that are being taken up?

SHRI HUMAYUN KABIR: The major task of this Institute, as lar as I can understand, is to collect ancient texts on scientific matters, to edit them and publish them.

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Shah.

SHRI M. C. SHAH: Sir, the information that I required has already been supplied by the hon. Minister in his reply.

SHRI N. M. LING AM: In view of the large number of subjects on which research is being carried on at this Institute, do Government propose to make it an institution of national importance?

SHRI HUMAYUN KABIR: This Institute was registered on the 12th June, 1963, and that question is premature.

SHRI N. M. LINGAM: Anyway, judging from the reply of the Min-ister; is it not a fact that the ambition of the M"nistry is to make th's Insti-tue cover as wide a field as possible with regard to research in many subjects?

SHRI HUMAYUN KABIR: I gave out what is written in the Memorandum of the Institute. The Ministry has nothing to do with it.

SHRI N. M. LINGAM: Is not the M'nistry giving any grant to the Institute?

SHRI HUMAYUN KABIR: Not so far.

b

नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कारपोरेशन के कार्यकरण की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति

४९१. श्री राम सहाय : क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कारपोरेशन के गठन और कार्यकरण की जांच करने के लिये प्रस्तावित विशेषज्ञ समिति नियुक्त कर दी गई है; और

(ख) क्या उस ने अपना कार्य पूर्ण कर लिया है और यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला ?

EXPERT COMMITTEE ON THE WORKING OF THE NATIONAL RESEARCH DEVELOPMENT CORPORATION

•491. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the proposed expert committee to go into the constitution and wo-king of the National Research Development Corporation has been appointed; and

(b) whether it has completed its work and if so, with what result?]

THE MINISTER OF SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS (SHRI HUMAYUN KABIR): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

†[वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायून कबिर) : (क) जी हां ।

(ख) जी नहीं ।]

श्री राम सहाय : इस कारपोरेशन का कार्य-क्षेत्र, दायरा, क्या होगा ?

t[ ] Hindi translation.